यूरोप में राष्ट्रवाद उदय और विकास

1. इटली, जर्मनी के एकीकरण में ऑस्ट्रिया की भूमिका क्या थी?

उत्तर – इटली तथा जर्मनी के एकीकरण में आस्ट्रिया सबसे बड़ी बाधा थी। एकीकरण के पीछे मूलतः राष्ट्रवादी भावना थी और आस्ट्रिया का चांसलर 'मेटरनिख' घोर प्रतिक्रियावादी था। उसने इटली तथा जर्मनी में एकीकरण हेतु होने वाले सभी आन्दोलनों अथवा प्रयासों को दबाया।

मेटरनिख की दमनकारी नीति के प्रतिक्रिया स्वरूप इटली तथा जर्मनी की जनता में राष्ट्रवाद की भावना बढ़ती गई। आस्ट्रिया में मेटरनिख के पतन के बाद इटली तथा जर्मनी के लोगों ने एकीकरण के मार्ग क सबसे बड़ी बाधा समाप्त हुआ देख पुनः भारी उत्साह के साथ एकीकरण का प्रयास किया और अंततः सफलता पायी

2. 1848 ई. के फ्रांसीसी क्रांति के कारण क्या थे ? मुख्य तीन कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर – फ्रांस में जुलाई, 1830 ई. की क्रांति के पश्चात् आर्लेयेंस वंश के लुई फिलिप ने उदारवादियों, पत्रकारों तथा पेरिस की जनता के समर्थन से सत्ता प्राप्त की। राजा बनने के बाद लुई फिलिप ने मताधिकार को मध्यम वर्ग तक तो पहुँचा दिया किन्तु साधारण जनता को कोई लाभ नहीं मिला।

लुई फिलिप समाज के विभिन्न वर्ग–समाजवादियों, गणतंत्रवादियों, निरंकुशवादियों आदि सभी को संतुष्ट करने की कोशिश में किसी को भी संतुष्ट नहीं कर सका। यद्यपि लुई फिलिप की नीतियाँ उदारवाद की ओर अग्रसर थीं, किन्तु वह स्वयं ऐसा नहीं था। उसने समाजवादियों के खिलाफ पूँजीपतियों का पक्ष लिया। गणतंत्रवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रियावादी नीति तथा दमनात्मक कार्यों ने 1848 ई. की क्रांति को जन्म दिया।

3. यूरोपीय इतिहास में 'घेटो' का क्या महत्व है?

उत्तर – यह शब्द मध्य यूरोपीय देशों में यहूदी बस्ती के लिए प्रयोग किया जाता था। आज की भाषा में यह एक धर्म, प्रजाति या समान पहचान वाले लोगों को दर्शाती है। घेटोकरण मिश्रित व्यवस्था के स्थान पर एक सामदायिक व्यवस्था थी; जो सामुदायिक दंगों को देशी रूप देते थे।

4. गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।

उत्तर – इतिहास गैरीबाल्डी को इटली के एकीकरण के क्रम में दक्षिणी इटली के रियासतों का एकीकरण करने हेतु याद करता है। प्रारंभ में वह मेजिनी के विचारों का समर्थक था, किन्तु बाद में काबूर से प्रभावित हो संवैधानिक राजतंत्र का पक्षधर बन गया। गैरीबाल्डी पेशे से नाविक था। उसने कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों की सशस्त्र सेना का गठन कर इटली के प्रांत सिसली तथा नेपल्स पर आक्रमण कर विजय प्राप्त की। गैरीबाल्डी ने यहाँ विक्टर इमैनुअल के प्रतिनिधि के रूप में सत्ता सम्भाली। तत्पश्चात गैरीबाल्डी विक्टर इमैनुअल से मिला और दक्षिणी इटली के जीते गये सम्पूर्ण क्षेत्र एवं संपत्ति उसे सौंप दी। गैरीबाल्डी ने विक्टर इमैनुअल द्वारा दक्षिण क्षेत्र के शासक बनने के निमंत्रण को ठुकरा दिया और कृषि कार्य करना स्वीकार किया।